प्रातः क्लास 6-7-66 ओमशान्ति पितामो शिव बाबा याद है?

ओमशान्तिः शिव बाबा अपने बच्चों आत्माओं से बात करते हैं। आत्मा ही सुनती है। अपन को आत्मा निश्चय करना है। निश्चय कर के फिर यह समझाना है कि बेहद का बाप आया हुआ है सभी को ले जाने लिए। दुःख के बन्धन से छूड़ा कर सुख के सम्बन्ध में ले जाते हैं। सम्बन्ध सुख को, बन्धन दुःख को कहा जाता है। अभी यहां के कोई नाम-रूप में दिल नलगाओ। अपने घर जाने लिए तैयारी करनी है। बेहद का बाप आया हुआ है सभी को ले जाने लिए। इसलिए यहां कोई से भी दिल नहीं लगानी है। यह सभी यहां के छी2 बन्धन हैं। समझते हैं अभी हम पवित्र बने हैं तो हमारे शरीर को भी हाथ न लगावे छीछी ख्यालात से। वह ख्यालात ही निकल जाती है। पवित्र बनने सिवाय बापस घर तो जा नहीं सकते हैं। फिर सजाएं खानी पड़ेगी। अगर न सुधरे तो। इस समय सभी आत्माएं अनसुधरेली है। शरीर के साथ छी 2 काम करती है। छी छी देहधारियों से दिल लगी हुई है। बाप कहते हैं यह गंदी ख्यालात सभी छोड़ दो। एक दो से तो अलग होना है परन्तु आत्मा शरीर से भी अलग हो जानाहै। यह ख्याल भी नहो आये कि मुझे भाई से बहन-भाई होकर सोना है। नहीं। आत्माओं को शरीर से अलग होकर ही घर जाना है। यह तो बहुत छीछी गंदी दुनियाहै। तो वा इसमें तो अभी हमको रहना ही नहीं है। कोई को देखने भी दिल नहीं होता। अभी तो बाप आये हैं स्वर्ग में ले जाने लिए। बाप कहते हैं बच्चे अपन को आत्मा समझो, पवित्र बनने लिए बाप को याद करो। कोई भी देहधारी से दिल न लगाओ। बिल्कुलममत्व मिट जाना चाहिए। स्त्री-पुरुष का बहुत प्यार होता है। एक दो से अलग हो न सके। अभी तो अपन को आत्मा भाई2 समझना है। गंदी ख्यालात भी न रहनी चाहिए। बाप समझाते हैं अभी वेश्यालय है। भूत पीते रहते हैं। भूत को भार भी कहते हैं। खाद भी किचड़ का होता है। बाप कहते हैं यह भार कोई आने की चीज़ नहीं। इससे तो तुम ने आदि-मध्य-अन्त दुःख को पाया है। बाप बहुत ही नफरत दिलाते हैं। अभी तुम स्टीमर पर बैठे हो जाने लिए। आत्मा समझती है अभी हम जा रहे हैं बाप के पास। इस पुरानी दुनिया से वैराग्य है। इस छीछी दुनिया नर्क वेश्यालय में हमको रहना ही नहीं है। तो फिर विकार के लिए गंदी ख्यालात आना यह तो बहुत खराब है। पद भी भ्रष्ट हो जावेंगे। बाप कहते हैं मैं तुमको गुल2 दुनिया सुखधाम ले चलने लिए आया हूं। मैं तुमको इस वेश्यालय से निकालशिवालय में ले चलुंगा। तो अभी बुधि का योग रहना चाहिए नई दुनिया में। कितनी खुशी होनी चाहिए। बेहद का बाप हमको पढ़ाते हैं। यह बेहद सृष्टि का चक्र कैसे फिरता हैवहतो बुधि में है। सृष्टि-चक्र को जानने से अर्थातस्वदर्शनचक्रधारी होने से तुमचक्रवर्ती विश्व के मालिक बनेंगे। अगर देहधारी से बुधि का योग लगाया तोपद भ्रष्ट हो जावेगा। कोई भी देह का सम्बन्ध याद न आये। यह तो दुःख की दुनिया है। सभी दुःख ही देने वाले हैं। बाप गंदी दुनिया से सभी को ले जाते हैं। इसलिए बुधि कायोग अपने घर से लगाना है। मनुष्य भक्ति करते हैं मुक्ति जाने लिए। तुम भी कहते हो हम आत्माओं को अभी यहां रहना नहीं है। यह छी छी शरीर छूट जाये। यह तो पुरानी जूती है। बाप को याद करते2 फिर यह शरीर छूट जावेगा। अन्त काल सिवाय बाप केदूसरी कोई चीज़ याद न रहे। शरीर भी यहांही छोड़कर जाना है। शरीर गया तो सभी कुछ गया। देह सहित जो कुछ भी है। तुम जो मेरा2 कहते होयह सभीभूल जाना है। इस छी2 दुनिया को तो आग लगनी है। इसलिए इन से अभी दिल लगानी नहीं है। बाप कहते हैं मीठे2 बच्चों मैं तुम्हारे लिए स्वर्ग की स्थापना कर रहा हूं। वहां तो तुम ही जाकर रहेंगे। अभी तुम्हारा मुंह उस तरफ है। बाप को, घर को, स्वर्ग को याद करना है। दुःखधाम से नफरत आनी है। इन शरीरों से भी नफरत। शादी करने की भी कोयादरूप है। शादी करने से फिर दिल लग जाती है। शरीर से। फिर भाको पहनने बिगर रह न सके। अकेला सो न सके। इकट्ठे सोने -करने की वास्तव में कोई दरकार ही नहीं। भल बाबाकहते हैं बीच में ज्ञान तलवार हो। परन्तु माया बड़ी दुस्तर है। तलवार पर भी उछांग मार जाये एक दो पर पड़ते हैं। बाप कहते हैंइन पुरानी जूतियों सेकुछ भी स्नेह न रखो। आज शादी की कल मर

बच्चे जाते फिर क्या। विधवा बन जाती, फिर और और से जाकर दिल लगाती है। गंदी बनपड़ती है। यह है ही वेश्यालय। सभी पतित ही पतित। भ्रष्टाचारी है। रावण राज्य है ना। यहां कोई से भी दिल नहीं लगानी है सिवाय एक बाप के। बाप को याद न करेंगे तोजन्म-जन्मांतर के पाप कटेंगे नहीं। फिर सजा भी बहुत कड़ी है। पद भी भ्रष्ट हो जावेगा। तो क्यों नहीं इस कलियुगी बन्धन को छोड़ देते। बाबा सभी के लिए यह वेहद की बातें समझाते हैं। सन्यासी जब थे तो दुनिया इतनी गंदी नहीं थी। सतोप्रधान आत्मायें थे। जंगल में रहते थे तो भी सभी को कशिश करते थे। मनुष्य वहां जाकर उन्हों को खाना पहुंचा आते थे। निडर होकर वहां रहते थे। तुमको निडर भी बहुत होना है। अभी तो तुम डरपोक बहुत रहते हो। बिमारियों आद में सभी झुक गये हैं। इसमें बड़ी विशालबुधि चाहिए। बाप के पास आते हैं तोबच्चों को खुशी रहती है। हम वेहद के बाप से सुखधाम का वरसा लेते हैं। तुम जानते हो वेहद के सुख-शान्ति का वर्सा जरूर बाप से ही मिलेगा। यहां तो कितना दुःख है। कैसे= कैसी2 गंदी बिमारियां आद होती है। बाप तो गैरन्टी करते हैं तुमको वहां ले जाते हैं जहां दुःख बिमारी आद का नाम नहीं। आधा कल्प के लिए तुमको एवर हैल्दी बनाते है। यहां कोई से भी दिल लगाई तो बहुत सजा खावेंगे। टीचर को भी पढ़ाना है, सुधारना है, तुम समझा सकते हो वह लोग कहते हैं 3मिनट सायलेन्स। बोलो सिर्फ सायलेन्स से क्या होगा। यहां तो बाप को याद करना है। जिससे विकर्म विनाश हो। सायलेन्स का जो वर देने वाला है बाप उनको याद करने बिगर शान्ति मिलेगी कैसे। उनको याद करेंगे तब ही तो वर मिलेगा। टीचर को भी सबक देना है। खड़ा होना चाहिए। कोई भी कुछ कहेंगे नहीं। फिर भी बाप के बने तो पेट तो मिल सकता है। शरीर निर्वाह के लिए बहुत मिलेगा। अहमदाबाद में वेदान्ती बच्चे हैउसने इम्तहान दिया उसमें एक पॉयन्ट थीगीता का भगवान कौन?तो उसने परमपिता परमात्मा शिव लिख दिया। इनको नापास कर दिया। और जिन्हों ने कृष्ण भगवान लिखा उन्हों को पास कर दिया। बच्चों ने सच्च बताया तो उनको न जानने कारण नापास कर दिया। फिर लड़ना पड़े। मैंने तो यह सच्च2 लिखा। गीता का भगवान है ही निराकार परमपिता परमात्मा शिव। कृष्ण देहधारी तो हो न सके। परन्तु बच्चों की दिल थी यह रूहानी सर्विस करने की तो छोड़ दिया। नहीं तो ऐसी बातों में तुम लड़ो। तो नाम बाला हो जाये। गवर्मेन्ट कहे यह तोसमझाते बहुत अच्छा है। सिर्फ 3मिनट सायलेन्स से क्या फायदा। बाप को याद करना चाहिए तो पाप कट जाये। तुमको बाप याद करते2 अपने शरीर को भी छोड़ सायलेन्स दुनिया में जाना है। बाप को याद करना है तो इस में हेल्थ-वेल्थ दोनों ही मिलती है। भारत में पीस प्रास्पर्टी थी ना। ऐसी2 बातें तुम कुमारियां बैठ समझाओ तो तुम्हारा कोई भी नाम नहीं लेंगे। अगर कोई सामना करे तो तुम कायदे सिर लड़ो। बड़े2 ऑफिसर पास जाओ। क्या करेंगे। खिलाने वाला तो बाबा बैठा है। ऐसे नहीं कि तुम भूख मरेंगे। पेट तो सिर्फ आना चाहता है। जास्ती नहीं। केलेसे, दही से भी रोटी खा सकते हैं। मनुष्य पेट के लिए कितना पाप करते हैं। बाप आकर सभी को पापात्मा से पुण्यात्मा बनाते हैं। इसमें पाप करने, झूठ बोलने की कोई दरकार ही नहीं। तुमको तो 3/4 सुख मिलता है। बाकी 1/4 दुख देखते हो। अभी बाप कहते हैं मीठे2 बच्चों मुझे याद करो तो तुम्हारे जन्म-जन्मांतर के पाप भस्म हो जावेंगे। और कोई उपाय है नहीं। भक्ति मार्गादुर्गति। उसमें धक्के बहुत खानी पड़ती है। शिव बाबा की पूजा तो घर में भी कर सकते हैं। परन्तु फिर भी बाहर जंगल में जरूर जाते हैं। यहां तो तुमको बाप कहते हैं तुमको चित्र रखने की दरकार ही नहीं। बाप को तो तुम जानते ही हो। वह हमारा वेहद का बाप है। उनका नाम है शिव। वही कल्याणकारी है। बच्चों को स्वर्ग की बादशाही का वरसा दे रहे हैं। तुम आते ही हो बाप से वरसा लेने। यहां कोई शास्त्र आद पढ़ने की बात ही नहीं। सिर्फ बाप को याद करना है। बाबा बस हम अभी आये कि आये। तुमको घर छोड़े कितना समय हुआ? भुक्ति और जीवनमुक्ति सुखधाम को छोड़े 63 जन्म हुये। अभी बाप कहते हैं शान्ति और सुखधाम में चलो। इसलिए दुःखधाम को भूलो। शान्तिधाम सुखधाम को याद करो। और =

कोई कठीन बात नहीं। शिव बाबा कोईशास्त्र आद भी पढ़ा हुआ नहीं है। यह पढ़ा हुआ है। तुमको तो अभी शिवबाबा पढ़ाते हैं। यह भी पढ़ा सकते हैं परन्तु तुम तो सदैव समझो शिव बाबा के लिए। उनको ही याद करने से विकर्म विनाश होंगे। बीच में यह भी है परन्तु तुम हमेशा समझो शिव बाबा पढ़ाते हैं। याद शिव बाबा को ही करो। बाप कहते हैं अभी टाईम थोड़ा है। जास्ती नहीं है। ऐसा ख्याल न करो कि जो नसीब में होगा मिलेगा। स्कूल में पढ़ाई का पुरुषार्थ करते हैं ना। ऐसे थोड़े ही कहेंगे जो नसीब में होगा। नहीं पढ़ते हैं तो फिर वहां जन्म-जन्मान्तर नौकरी-चाकरी करते रहेंगे। राजाई मिल न सके। कर के पिछाड़ी में ताज रख देंगे वह भी त्रेता में। मूल बात है पवित्र बन औरों को बनाना। सत्यना0 की कथा सुनाना। है बहुत सहज। दो बाप है। हद के बाप से हद का वरसा मिलता है। बेहद के बाप से बेहद का। अभी बेहद के बाप को याद करें= करो तो देवता बनेंगे। भल देवता घराणे में तो आ जावेंगे। परन्तु उसमें भी उंच पद पाना चाहिए। पद पाने के लिए ही कितनामारा-मारी ~~करें~~ करते हैं। एम0पी0, एम0एल0 ए0 आद क बनते हैं क्योंकि ऐसे तो इन्हों को बहुत मिलते हैं। बहुतकमाते हैं। पिछाड़ी में बम्स की भी एक दो को मदद देंगे। यह सभी इतने धर्म थे थोड़े ही। फिर न रहेंगे। तुम राज्य करने वाले हो। तो अपने ऊपर रहम करो ना। कम से कम उंच पद तो पावें। बच्चियां आठ आना भी देती है हमारी एक ईंट लगा देना। सुदामा का सुना है ना चावलमुट्ठी बदलो महल मिल गया। गरीब के पास है ही आठ दस आना तो वही देंगे ना। कहते हैं बाबा हम गरीब है। अभी तुम बच्चे सच्ची2 कमाई करते हो। यहां सभी की है झूठी कमाईदान-पूण्य आद जो करते हैं। वह पापात्माओं को ही करते हैं तो पूण्य के बदले पाप हो जाता है। पैसा देने वाले पर भी पाप हो जाता। ऐसेकरते/2 सभी पापात्मा बन जाते हैं। पूण्यात्मा एक भी नहीं। पूण्यात्माएं होते ही हैं सतयुग में। वह है पूण्यात्माओं की दुनिया। वह तो बाप ही बनावेंगे। पापात्मा रावण बनाती है। कितना गंदे ~~बन~~ बन पड़ते हैं। अभी बाप कहते हैं गंद न करो। नई दुनिया में गंद होता ही नहीं। नाम ही है स्वर्ग तो फिर क्या। स्वर्ग अक्षर कहने से ही मुख में पानी आ जाता है। देवताएं होकर गये हैं तब तो यादगार है ना। आत्मा तो अविनाशी है। कितने ढेर एक्टर्स हैं। कहां2 बैठे होंगे। पार्ट बजाने आते हैं। अभी कलियुग में कितने ढेर मनुष्य हैं। देवी-देवताएं धर्म का राज्य है नहीं। कोई को भी समझाना बहुत सहज है। एक धर्म की अभी फिर से स्थापना हो रही है। बाकी सभी खत्म हो जावेंगे। तुम जानते हो जब स्वर्ग में थे तो और कोई धर्म नहीं था। सूर्यवंशी चन्द्रवंशी थे। चित्र भी है। राम को बाण दे दिया है। दुनिया नहीं समझती बाण आद की तो वहां बात ही नहीं होती। यह तो नापास हुआ है तब ही निशानी दी है। यह भी समझते हैं जिसने जो सर्विस की है कल्पपहले भी वही करते रहते हैं। जो बहुत सर्विस करते हैं वह बाप को भी प्यारे लगते हैं। लौकिक बाप के बच्चे भी जो अच्छा पढ़ते हैं उन पर बाप का प्यार जास्ती रहता है। ~~जो~~ जो लड़ते, ~~लड़~~ लड़ते, खाते रहेंगे तो उनको थोड़े ही प्यार करेंगे। सर्विस करने वाले बहुत ही प्यारे लगते हैं। आगे चल कर दो ~~xxxx~~ गवर्मेन्ट भी सिध हो जावेगा। पाण्डव गवर्मेन्ट और कौरव गवर्मेन्ट। यह है यादव। उनके लिए तो लिखा हुआ है मुसल निकाल अपने कुल का विनाश किया। कहानी है ना। दो बिल्ले लड़े, मक्खन तीसरा खा गया। सारी विश्व की बादशाही सी मक्खन तुमको मिलना है। तो अभी गफलत मत करो। छीछी मत बनो। राजाई मत गंवाओ। अपने एक बाप को ही याद करो। बाप की यह डायरेक्शन मिलती है। याद न करेंगे तो पाप का बोझा चढ़ता जावेगा। फिर बहुत सजाएं खानी पड़ेंगी। जार जार रोवेंगे।2। जन्म की बादशाही मिलती है इसमें फेल हुये तो बहुत रोवेंगे। स्कूल में फेल होते हैं तो जाकर अपघात कर करते हैं। यहां आपघात से कोई फायदा नहीं। एक शरीर छोड़ दूसरा और छी छी शरीर मिलेगा। बाप समझाते हैं बच्चे और कोई को भी याद न करो। तुम प्यूर घर न सासर घर को याद करना है। भविष्य नई घर को ही साफ करना है। बापू समझाते तो बहुत ही हैं। कोई को देख लड्डू नहीं बन जाना है। फूल बनना है। देवताएं फूल हैं। असुर हैं कांटे। कलियुग में ही है कांटे। अभी संगम पर तुम फूल बन रहे हो। किसको भी दुःख न देना है। यहां ऐसे बनेंगे तब ही सतयुग में जावेंगे। अच्छा बच्चों को गुडमोर्निंग और नमस्ते।